vkj-,u-vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 12 vad % 34 y[kuÅ] exyokj 14 fnlEcj l 20 fnlEcj] 2021 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

पीएम मोदी ने पूरा दिन किया भगवान विश्वनाथ के नाम

लखनऊ/वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज का पूरा दिन भगवान शिव की नगरी काशी में गुजरा। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण करने के बाद आज शाम को पीएम मोदी ने विवेकानंद क्रूज पर सवार होकर मां गंगा की आरती में भाग लिया। इस दौरान पीएम के साथ यूपी सीएम योगी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। वाराणसी के घाटों पर हुए आज लेजर लाइट शो का प्रदर्शन किया गया। इस मौके को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हाथ से नहीं जाने दिया और क्रूज से गंगा घाट पर आयोजित लेजर लाइट शो का आनंद उठाया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और तमाम बड़े नेताओं की मौजूदगी में काशी विश्वनाथ क रिडोर का उद्घाटन किया और ये भव्य कॉरिडोर जनता को समर्पित किया। इस दौरान हर हर महादेव का जयघोष हुआ तो पूरा वातावरण शिवमय हो गया। आज दोपहर में पीएम मोदी का स्वागत डमरू की नांद से किया गया। जैसे ही पीएम मोदी वहां कॉरिडोर पहुंचे तो वहां बड़े–बड़े आकार के डमरूओं को बजाकर पीएम मोदी का स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने आज का पूरा दिन भगवान शिव के नाम कर दिया। पीएम ने सुबह गंगा स्थान किया। काशी के कोतवाल भगवान काल भैरव की आरती कर पूजा अर्चना की। बाद में विश्वनाथ मंदिर जाकर भगवान का भोलेनाथ का अभिषेक किया और पूजा–अर्चना की। इसके बाद काशी कॉरिडोर निर्माण में अपनी भूमिका निभाने वाले सभी मजदूरों का स्वागत किया और उनके साथ पंगत में बैठकर भोजन किया।

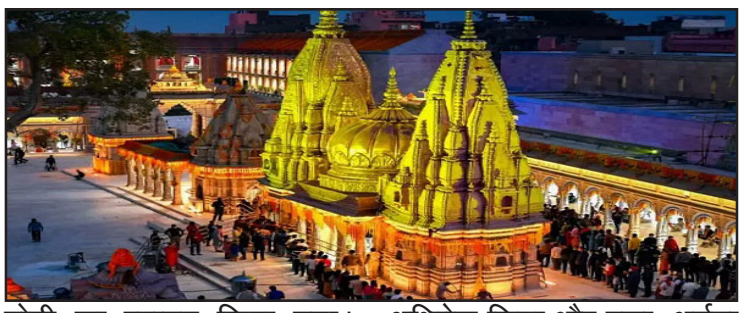

गांधी के नाम पर कई लोगों ने सत्ता प्राप्त की, लेकिन काशी में उनका सपना पहली बार पूरा हुआ : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को किसी पार्टी का नाम लिए बगैर कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर कई लोगों ने सत्ता प्राप्त की होगी, लेकिन काशी विश्वनाथ धाम के उनके (गांधी के) सपने को साकार करने का कार्य पहली बार देखने को मिल रहा है। योगी ने वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ धाम के नये स्वरूप के लोकार्पण का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए यह कहा। मुख्यमंत्री ने कहा, आज बाबा विश्वनाथ धाम एक नये रूप में, नये कलेवर में (आपके) सामने है और महात्मा गांधी की उस पीड़ा को दूर करने का भी एक माध्यम बना है जो आज से सौ वर्ष पहले इसी काशी में आकर उन्होंने यहां की तंग गलियों और गंदगी को देखकर अपनी पीड़ा को व्यक्त किया था। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम के नव्य एवं भव्य स्वरूप का लोकार्पण किया। योगी ने इस अवसर पर कहा कि देश और दुनिया में हर भारतवासी, जो भारतीय संस्कृति, भारतीय परंपरा और भारतीय सभ्यता का अनुगामी है, आज प्रफुल्लित व आह्लादित है। उन्होंने कहा, हम सब जानते हैं कि काशी बाबा विश्वनाथ का पावन धाम है लेकिन एक हजार वर्षों से जिन विपरीत परिस्थितियों का सामना काशी ने किया, उन विपरीत परिस्थितियों का साक्षी न केवल काशीवासी, बल्कि हर भारतवासी रहा है। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर के निर्माण में इंदौर की महारानी अहिल्या बाई होल्कर और महाराजा रणजीत सिंह द्वारा दिये गये योगदान का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व डाक्टर दिनेश शर्मा, केंद्रीय मंत्री डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडेय और प्रदेश के चुनाव प्रभारी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत अन्य लोग मौजूद थे।

काशी विश्वनाथ क रिडोर के मिर्माण में लगे मजदूरों पर पीएम मोदी ने बरसाए फूल

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज काशी विश्वनाथ क रिडोर का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने काल भैरव मंदिर में पूजा अर्चना की और गंगा नदी में डुबकी लगाई। वह वहां से पवित्र गंगाजल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर आए। इन सबके बीच प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ धाम क रिडोर के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों पर पहले तो पुष्प वर्षा की और बाद में उनके साथ खाना खाया। अपने आप में प्रधानमंत्री की इस बात को लेकर खूब सराहना हो रही है। प्रधानमंत्री के साथ खाना खाकर यहां काम करने वाले मजदूर भूतपूर्व आनंद में हैं। उनका कहना है कि हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि प्रधानमंत्री हमारे साथ खाना खाएंगे। लेकिन आज यह हुआ है। उन्होंने इस परियोजना में कार्य करने वाले मजदूरों पर उनके कार्य के लिए आभार व्यक्त करने के लिए गुलाब की पंखुड़िया बरसाई। वह समूह तस्वीर के लिए उनके साथ बैठे। हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब इस तरह के कार्यों में लगे मजदूरों का प्रधानमंत्री ने सम्मानित किया है। बताया जा रहा है कि विधिवत पूजा–अर्चना करने के बाद प्रधानमंत्री सीधे मजदूरों के बीच पहुंचे। उनसे प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत की और उनका हालचाल जाना। बताया यह भी जा रहा है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण में करीब २३०० मजदूर लगे हुए थे और आज वह विशेष मेहमान के तौर पर कार्यक्रम में मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने जब मजदूरों के साथ फोटो खिंचवाए, उनके चेहरे खिल उठे। इस दौरान मजदूरों ने हर हर महादेव के नारे लगाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी के अस्सी घाट पर स्वच्छता अभियान में लगे सफाई कर्मचारियों के पैर धोए थे और उनका आशीर्वाद लिया था। वहीं मोदी ने कहा कि यहां आकर किसी को भी गर्व महसूस होगा, यह प्राचीनता व नवीनता का समागम है। मोदी ने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर अब पहले के तीन हजार वर्ग फुट के मुकाबले पांच लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है, यहां एक साथ५० से ७५ हजार श्रद्धालु आ सकते हैं। काशी विश्वनाथ धाम परियोजना करीब पांच लाख वर्ग फीट में फैली हुई है और गंगा नदी को काशी विश्वनाथ मंदिर से जोड़ती है और इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए कई सुविधाओं का विकास किया गया है।

अखिलेश ने पीएम मोदी को फिर घेरा, कहा– कम से कम काशी में तो झूठ नहीं बोलते

लखनऊ। काशी विश्वनाथ क रिडोर का उद्घाटन करने के बाद अखिलेश यादव ने एक बार फिर पीएम मोदी को घेरने की कोशिश की है. समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि कम से कम भाजपा को भगवान के सामने झूठ नहीं कहना चाहिए. अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे सामने झूठ बोलते हैं, लोगों के सामने झूठ बोलते हैं तो चलता है लेकिन कम से कम काशी में तो ऐसा ना करें. अखिलेश यादव ने कहा कि अब विधानसभा चुनाव में सच और झूठ का फैसला उत्तर प्रदेश की जनता कर लेगी. उन्होंने कहा कि हमें सब पता है कि किस तरह से फीता काटने के लिए लोग दिल्ली से बुलाए जा रहे हैं. जनता भी सब कुछ समझ रही है. अखिलेश यादव इटावा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि काम हम करें और नाम उनका हो. उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ देखती है और समझती है. अखिलेश यादव ने कहा कि इटावा में जेल समाजवादी पार्टी ने बनवाई और इसका उद्घाटन उन्होंने कर दिया. भाजपा की भूमि विकास गति के कारण इटावा के स्टेडियम और एकोटिक सेंटर पूरी तरह से बर्बाद हो गए. उन्होंने कहा कि यदि भाजपा चाहती तो यहां आईपीएल के मैचों का आयोजन किया जा सकता था लेकिन यहां भेदभाव किया गया. अखिलेश यादव ने कृषि कानूनों पर भी भारतीय जनता पार्टी को घेर दिया. सपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं तो शुरु से ही बोल रहा था कि कानूनों को वापस लेना चाहिए. उन्होंने कहा कि जब तक भारतीय जनता पार्टी को नुकसान होने की गुंजाइश नहीं दिखती तब तक वह फैसले नहीं करती. यही कारण है कि देश के किसानों को इतना लंबा संघर्ष करना पड़ा।

सम्पादकीय

संघर्ष के इतिहास का एक सुनहरा पन्ना

नए कृषि कानून के खिलाफ किसान आंदोलन खत्म हो गया है। इस आंदोलन के माध्यम से राकेश टिकैत ने यह साबित कर दिया है कि वह भी अपने पिता चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की तरह बड़ा आंदोलन चलाने की काबिलियत रखते हैं। पिता महेंद्र सिंह टिकैत अपनी जिद्द के बल पर किसी भी सरकार को बैकफुट पर खड़ा कर दिया करते थे। नया ेंषि कानून वापस हो गया है, इससे किसे फायदा होगा, किसको नुकसान, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि साल भर से अधिक समय तक चले आंदोलन में कई उतार–चढ़ाव देखने को मिले। आंदोलनकारियों में जहां सत्ता पक्ष के प्रति तल्खी दिखाई दी तो विपक्ष ने भी खूब सियासी रोटियां सेंकी। मोदी सरकार ने भी आंदोलन खत्म करने के लिए कई हथकंडे अपनाए। कई महीने तक तो किसान नेताओं और सरकार के बीच किसी तरह का कोई संवाद ही नहीं हुआ। आंदोलनकारियों पर आरोप लगा कि उन्हें विदेश से फंडिंग की जा रही है, खालिस्तान की मांग करते लोग भी यहां दिखाई दिए। २६ जनवरी को लाल किले पर जो हुआ उसे भी कोई याद रखना नहीं चाहेगा। वह घटना किसान आंदोलन पर एक बदनुमा दाग था। आंदोलन के विस्तार की बात की जाए तो यह आंदोलन कभी पूरे देश के किसानों का आंदोलन नहीं बन पाया। पंजाब, हरियाणा में आंदोलन का जबरदस्त प्रभाव देखने को मिला तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिले ही आंदोलन से प्रभावित हुए। किसान नेता राकेश टिकैत की लखनऊ में डेरा डालने की हसरतें पूरी नहीं हो पाईं। आंदोलन खत्म जरूर हो गया है, मगर किसानों की कुछ मांगें बाकी हैं, जिसमें एमएसपी की मांग प्रमुख है। जिस पर सरकार और किसान नेताओं के बीच बातचीत जारी रहेगी। रद्द किए जा चुके तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चले किसान आंदोलन ने खत्म होने के पहले न सिर्फ भारत, बल्कि सारी दुनिया के संघर्षरत लोगों के लिए एक टेम्पलेट तैयार कर दिया है। यह हकीकत है कि पिछले साल जब ये आंदोलन शुरू हुआ, उसके बाद कई महीनों तक बहुत कम लोगों को भरोसा था कि ये आंदोलन अपनी मांगे मनवा सकेगा। उसकी वजह यह मानी जाती थी कि नरेंद्र मोदी सरकार ने ये कानून किसी सनक में नहीं, बल्कि अपनी प लिटिकल इक नमी के तकाजे के मुताबिक बनाए हैं। तब यह भी अनुमान लगाना कठिन था कि तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद यह आंदोलन सचमुच इतने लंबे समय तक चल जाएगा। लेकिन इस आंदोलन ने ऐसे तमाम अनुमानों को गलत साबित किया। आंदोलन के नेतृत्व ने अपनी मांगों, उन्हें फ्रेम करने, और आंदोलन के दायरे की अनोखी समझ दिखाई। साथ ही लक्ष्य पाने तक टिके रहने की जो संकल्प शक्ति दिखाई, वह तो अब संघर्ष के इतिहास का एक सुनहरा पन्ना बन ही चुका है।

बाइक सवार बदमाशों ने सरेराह की कई राउंड फायरिंग

लखनऊ। तालकटोरा इलाके में कर्बला के पास शनिवार सरेशाम बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग की। पड़ोस स्थित प्रिंटिंग प्रेस से लौट रहे सोनू के हाथ में एक गोली लग गई। उसे गंभीर हालात में ट्रामा में भर्ती कराया गया है। जबकि तीन गोलियां प्रिंटिंग प्रेस के शटर में लगी। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही है।कर्बला के पास अब्दुल मुकीम का प्रिंटिंग प्रेस है। शनिवार शाम भदेवां में रहने वाला सोनू और उसका साथी फैजी कुछ प्रिंटिंग का आर्डर देने गया था। दोनों पैदल लौट रहे थे। इस बीच बाइक सवार दो युवक ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए निकले। घटना से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। भगदड़ मच गई। एक गोली सोनू के बायें हाथ में लगी जिससे वह मौके पर ही खून से लथपथ होकर गिर गया। दो गोलियां प्रिंटिंग प्रेस के शटर के ऊपर और एक बीच में लगी। जिससे शटर क्षतिग्रस्त हो गया।घटना की जानकारी पर एसीपी बाजारखाला विजय राज सिंह, सीओ एलआइयू अवधेश कुमार सिंह, तालकटोरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल के पास एक इमारत में लगे सीसी कैमरे खंगाले तो वह बंद मिले। एसीपी ने बताया कि सोनू और फैजी ने किसी से रंजिश की बात से इंकार किया है। फायरिंग करने वाले अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज दर्ज कर लिया गया है। बदमाशों की तलाश में दबिश दी जा रही है। इसके साथ ही उनके भागने की दिशा में लगे सीसी कैमरों की पड़ताल की जा रही है।

बैंक डूबेंगे ही क्यों?

अजीत द्विवेदी

प्रधानमंत्री ने बड़े जतन से देश के लोगों को समझाया कि बैंकों में जमा उनका पैसा सुरक्षित है और अगर किसी वजह से बैंक डूबते हैं तो खाताधारकों की पांच लाख रुपए तक की जमा रकम मिल जाएगी। यह अच्छी बात है कि सरकार ने जमा रकम की गारंटी को एक लाख से बढ़ा कर पांच लाख रुपया कर दिया है। इसका मतलब है कि कोई बैंक बंद होता है या दिवालिया होता है तो तीन से चार फीसदी खाताध ारकों को छोड़ कर बाकी किसी का पैसा नहीं डूबेगा। लेकिन सवाल है कि इन तीन–चार फीसदी लोगों का भी पैसा क्यों डूबना चाहिए? क्या जिन लोगों की कमाई ज्यादा

है, जिन्होंने बैंक में ज्यादा पैसे जमा किए हैं, उस पर सरकार को टैक्स दिया है, उनके पैसे की सुरक्षा की गारंटी सरकार को क्यों नहीं देनी चाहिए? प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पहले की सरकारों के समय बैंक डूबते थे तो सिर्फ एक लाख रुपए मिलते थे। क्या कोई सरकार की तरफ से बताएगा कि पहले की सरकारों में कितने बैंक डूबे हैं और उसमें लोगों का कितना रुपया डूबा है? हकीकत है कि १९६९ में बैंकों का राष्ट्रीयकरण किए जाने के बाद भारत में एक भी सरकारी बैंक दिवालिया नहीं हुआ है। यह भी हकीकत है कि दुनिया भर के निजी और विदेशी बैंक खुल जाने के बावजूद भारत में ८७ फीसदी के करीब लोगों का पैसा सरकारी बैंकों में जमा है। यह भी हकीकत है कि २००८ की वैश्विक आर्थिक मंदी के समय जब दुनिया भर के बैंक दिवालिया हो रहे थे और सब प्राइम क्राइसिस की वजह से अमेरिका में दैत्याकार वित्तीय संस्था लेहमन ब्रदर्स सहित ३० के करीब बैंक बंद हुए तब भी भारत में कोई बैंक दिवालिया नहीं हुआ। यह भी हकीकत है कि बैंक ग्राहकों के हितों का ढिंढोरा पीट रही इस सरकार के कार्यकाल में पिछले पांच बैंक और कई वित्तीय संस्थाएं डूबी हैं। लक्ष्मी विकास बैंक, पंजाब एंड महाराष्ट्र को–अ परेटिव बैंक आदि के खाताध ारकों को अपने पैसे निकालने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। प्रध ानमंत्री ने कहा कि बैंक डूबने पर ९० दिन के अंदर लोगों को पांच लाख रुपए तक की जमा रकम मिल जाएगी लेकिन पीएमसी बैंक के अलावा कम से कम पांच सहकारी बैंक ऐसे हैं, जिनके खाताधारकों को अपनी जमा रकम नहीं मिलेगी क्योंकि वे नए नियम अधिसूचित होने से थोड़े दिन पहले दिवालिया हो गए थे। बैंकों में जमा पांच लाख रुपए तक की रकम सुरक्षित होने की गारंटी करने की बजाय सरकार को यह गारंटी करनी चाहिए कि बैंक नहीं डूबेंगे। बैंकों की निगरानी के लिए रिजर्व बैंक जैसी संस्था है, जो देश में संभवतः सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कंपनी है और जिसका रिजर्व पैसा लेकर पिछले कई सालों से केंद्र सरकार अपना काम चला रही है। ऐसी संस्था के होते बैंक क्यों डूबने चाहिए? ध्यान रहे भारत में आम लोग बैंक में पैसा जमा करते हैं और बड़े लोग कर्ज लेते हैं। फिर बड़े लोग मिलीभगत करके बैंकों का पैसा खा जाते हैं और उसके बाद सरकार

करदाताओं के पैसे से उसकी भरपाई करती है। तभी एक लाख रू या पांच लाख रुपए सुरक्षित होने की गारंटी का कोई मतलब नहीं है। सरकारें इस तरह की गारंटी पहले भी देती रही हैं लेकिन लोगों को सुरक्षा तभी मिली तब संस्थाएं ठीक ढंग से चलती रहीं। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने जब भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी की शुरुआत कराई थी तब उनकी सरकार ने इस संस्था की ओर से संप्रभु गारंटी दी थी कि अगर एलआईसी लोगों का पैसा नहीं दे पाएगी तो सरकार पैसा देगी। पिछले करीब ७० साल में एक बार भी एलआईसी को संप्रभु गारंटी के इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ी। लेकिन आज जिस तरह से एलआईसी के मत्थे आईडीबीआई बैंक को मढ़ा गया या इंडसइंड बैंक में उसकी हिस्सेदारी बढ़वाई जा रही है या आईपीओ लाकर उसके निजीकरण की शुरुआत की जा रही है उससे आशंका पैदा हो रही है। असल में नोटबंदी के समय शुरू हुई गलत आर्थिक नीतियों और चहेते उद्योगपतियों को बेरोक–टोक कर्ज दिलाने की नीति ने देश की बैंकिंग व्यवस्था को खोखला बना दिया है। इसे किसी तरह से रंग–रोगन करके बचाया जा रहा है। जब बैंकों का कर्ज बढ़ जा रहा है तो उनकी बैलेंस शीट साफ–सुथरी दिखाने के लिए कर्ज की रकम को बट्टे खाते में डाल दिया जा रहा है यानी राइट ऑफ कर दिया जा रहा है। जब इससे काम नहीं चल रहा है और बैंकों का एनपीए यानी डूबे हुए कर्ज की मात्रा बढ़ जा रही है तो ज्यादा एनपीए वाले बैंकों का कम एनपीए वाले बैंकों में विलय कर दिया जा रहा है। देश के कई बड़े कारोबारी हजारों करोड़ रुपए लेकर विदेश फरार हो गए, कई बड़े उद्योगपति कथित रूप से दिवालिया हो गए और हजारों करोड़ रुपए के कर्ज में डूबी उनकी कंपनियां कौड़ी के मोल फिर उन्हीं को दी गईं या किसी दूसरे चहेते उद्योगपति को दे दी गईं। दिवालिया संहिता बनाए जाने के बाद बैंकों के लाखों करोड़ रुपए बट्टे खाते में चले गए और सरकार समझाती है कि बट्टे खाते में डालने का मतलब कर्ज माफ करना नहीं होता है! इस साल बजट सत्र के दौरान तब के वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने संसद को बताया कि २०१८–१९ में सरकार ने २.३६ लाख करोड़ रुपए, २०१९–२० में २.३४ लाख करोड़ और २०२०–२१ के पहले नौ महीनों में १.५० लाख करोड़ रुपए का कर्ज बट्टे खाते में डाला है। यानी मार्च २०२१ से पहले के ३३ महीने में केंद्र सरकार ने छह लाख २० हजार करोड़ रुपए का कर्ज बट्टे खाते में डाला। सवाल है कि क्या गलत आर्थिक नीतियों की वजह से बैंकों पर इतना बोझ नहीं बढ़ रहा है और बैंक कंगाल नहीं हो रहे हैं? बैंकों को कंगाल होने से बचाने के लिए क स्मेटिक उपाय करने की बजाय सरकार क्यों नहीं अर्थव्यवस्था को संभालने के ठोस उपाय कर रही है? पिछले पांच साल में अनेक निजी बैंक, सहकारी बैंक और वित्तीय संस्थाएं दिवालिया हो गईं। बैंकों का एक लाख करोड़ रुपए का कर्ज लेकर आईएलएंडएफएस जैसी कंपनी डूब गई। लगभग इतने ही कर्ज वाली डीएचएफएल कंपनी डूब गई। देश के सबसे बड़े निजी बैंक आईसीआईसीआई बैंक की चेयरपर्सन के ऊपर हजारों करोड़ रुपए के कर्ज घोटाले का आरोप लगा। नोटबंदी के समय एक्सिस बैंक के ऊपर हजारों करोड़ रुपए की गड़बड़ी के आरोप लगे। निजी बैंकों और वित्तीय संस्थाओं में सबसे ज्यादा गड़बड़ियां पकड़ी गई हैं और फिर भी सरकारी बैंकों का निजीकरण करने की मुहिम चल रही है! सरकार लोगों के पैसे की गारंटी दे, यह अच्छी बात है लेकिन उससे पहले इस बात की गारंटी दे कि बैंक नहीं डूबेंगे और उन्हें बचाने के लिए करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा।

सोमनाथ के लिए पटेल और अयोध्या–विश्वनाथ मंदिर के लिए मोदी को याद किया जाएगा

लखनऊ। गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर का कायाकल्प करने के लिए जिस तरह से तत्कालीन गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल को आज तक याद किया जाता है, ठीक उसी प्रकार काशी में बाबा भोलेनाथ का विश्वनाथ मंदिर को

भव्यता प्रदान करके प्रधानमंत्री मोदी ने नई इबारत लिख दी है। वैसे भी प्रधानमंत्री मोदी सरदार वल्लभभाई को अपना आदर्श मानते हैं। दोनों मंदिरों में काफी समानता है। सोमनाथ मंदिर हो या काशी में बाबा भोलेनाथ का मंदिर। दोनों ही जगह शिव जी का वास है और दोनों ही मंदिरों की गिनती १२ ज्योतिर्लिंगों में होती है। इसके अलावा इन दोनों दोनों ही मंदिरों का विध्वंस मुगल काल में हुआ था। काशी के विश्वनाथ मंदिर का विध्वंस जहां औरंगजेब ने करा था वही सोमनाथ का मंदिर का विध्वंस कई बार किया गया। यहां का खजाना मुगल बादशाह लूट कर ले जाते थे. सोमनाथ मंदिर पर तो मानो हमलों की एक शृंखला बन गई। जिसमें सबसे चर्चित नाम मुगल आक्रांता मोहम्मद गजनवी का है।यह मंदिर कई बार लूटा गया तो इसके भक्तों ने इसे बार–बार बनाने में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। मोहम्मद गजनबी और अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति नुसरत खां के आक्रमण के बाद मंदिर को फिर से हिन्दू राजाओं ने बनवा दिया. फिर तीसरी बार १३६५ में गुजरात के सुल्तान मुजफ्फर शाह ने मंदिर को फिर से तुड़वाया और सारा चढ़ावा लूट लिया. मंदिर फिर से संवारा गया तो मुजफ्फर शाह के बेटे अहमद शाह ने १४१२ में अपने पिता का कृत्य दोहराया लेकिन इसे एक बार फिर से बनवाया गया। इस बीच कभी भी श्रद्धालुओं का भक्तिभाव मंदिर से कम नहीं हो सका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए गर्व की बात होगी उनके शासनकाल में अयोध्या में भगवान राम लला का और काशी में बाबा भोलेनाथ के मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है।बहरहाल,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १३ दिसंबर को काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण करेंगे तो काशी में दीपावली सरीखा नजारा होगा। ५४ हजार वर्गमीटर में फैले काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के मौके पर दीपक जलाकर लोग अपने घरों में भगवान शिव का आह्वान करेंगे। शहर से लेकर गांवों तक घरों में इसकी तैयारियां चल रही हैं। काशीपुराधिपति के धाम का वैभव पूरी दुनिया देखेगी। लोकार्पण उत्सव का साक्षी बनने के लिए देश भर से श्रद्धालुओं का काशी आगमन होगा। लेजर शो, आतिशबाजी के साथ रोशनी से समस्त मंदिर, शहर की गलियां, चौराहे व अन्य सार्वजनिक स्थान जगमग होंगे। शिव की नगरी में श्रद्धालु बाबा के धाम के लोकार्पण के उत्सव को भव्य बनाने की तैयारियों में जुटे हुए हैं। धाम के लोकार्पण के साथ ही १२ दिसंबर से १४ दिसंबर तक तीन दिवसीय शिव दीपोत्सव की शुरूआत हो जाएगी। दुनियाभर के मंदिरों और मठों में लोकार्पण का सजीव प्रसारण १३ दिसंबर की सुबह से ही किया जाएगा। इसमें देश के प्रमुख शैव संप्रदाय से जुड़े पीठाधीश्वर को आमंत्रित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों लोकार्पण के बाद से ही चलो काशी नारे के साथ उत्सव मास की शुरुआत हो जाएगी।

वसीम रिजवी ने पहले ही ले रखी थी कब्र, जानें क्या होगा अब उसका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद से जितेंद्र नारायण तिवारी और वसीम रिजवी लगातार चर्चाओं में रहे हैं. कभी इस्लाम तो कभी कुरान को लेकर उन्होंने लगातार विवादित बयान दिए. यही कारण है कि उन्हें मुस्लिम समुदाय के रोष का सामना

करना पड़ा. कई बार मौलवियों ने उनके खिलाफ फतवे जारी किया लेकिन वे इसके बाद भी बाज नहीं आए. २ दिनों पहले ही उन्होंने इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म कबूल कर लिया और अपने नाम को भी बदल लिया. अब जानकारी मिली है कि वसीम रिजवी की कब्र की बुकिंग को भी रद्द कर दिया गया है. इसका साफ करते हैं कि उन्हें शिया धर्म से निकाल बाहर कर दिया गया है. बता दें कि शिया धर्म में जीते जी कब्र खरीदने की रिवायत रही है. यही कारण है कि शिया मुसलमान जिंदा रहते ही अपने पसंद की जगह पर कब्र खरीद लेता है ताकि मरने के बाद उसे बिना किसी परेशानी के वहां दफनाया जा सके. कुछ ऐसा ही वसीम रिजवी ने भी किया है और अपने कब्र के लिए बुकिंग कर रखी थी. इसके बाद उसे पक्का भी बनवा दिया था ताकि उस पर कोई और दफन ना किया जा सके. जानकारी के अनुसार १० जनवरी २०१८ को वसीम रिजवी ने हयाती कब्र खरीदी थी.वसीम रिजवी ने कब्र खरीदने के पीछे का कारण मिल रही धमकियों को बताया था. उन्होंने कहा था कि कभी भी उन्हें मारा जा सकता है इसलिए वे अपनी कब्र की व्यवस्था खुद करना चाहते हैं. लेकिन अब जितेंद्र नारायण बन चुके वसीम रिजवी को उस कब्र की कोई जरूरत नहीं है. इसके पीछे का कारण भी है कि उन्होंने खुद ऐलान किया है कि उनकी मौत के बाद उन्हें जलाया जाए ना कि दफनाया जाए. इसलिए कर्बला तालकटोरा के कब्र का आवंटन रद्द कर दिया गया है.

दुल्हन की मौसी का बैग ले उड़ा संदिग्ध युवक

लखनऊ। बंथरा में स्थित आजाद गेस्ट हाउस में आयोजित शादी समारोह में शनिवार देर रात बदमाश दुल्हन की मौसी का बैग ले उड़ा। बैग में ५० हजार रुपये थे। आरोपित समारोह में हो रही वीडियो रिकार्डिंग में कैद हो गया है। इंस्पेक्टर बंथरा अजय प्रताप सिंह्ह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर फुटेज में मिले संदिग्ध युवक के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। आरोपित की तलाश में दबिश दी जा रही है। आजाद गेस्ट हाउस में शनिवार रात अयोध्या के रहने वाले शारदा बक्स सिंह की बेटी की शादी थी। इस मौके पर शारदा बक्स सिंह की उन्नाव के सोहरामऊ में रहने वाली साली राजपति और उनकी बेटी भी मौजूद थी। देर रात तीन बजे फेरों की तैयारी चल रही थी। इस बीच किसी ने राजपति का बैग उनके हाथ से छीन लिया और फरार हो गया। इस पर राजपति ने घरवालों को घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैग में ५० हजार रुपये, कुछ दस्तावेज व चाबियां थीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर पहुंची बंथरा पुलिस ने वीडियो रिकार्डिंग की जांच की। वीडियो में एक संदिग्ध युवक राजपति के आगे पीछे घूमता दिखाई दिया। इसके बाद घरवालों से पूछताछ करने पता चला की संदिग्ध युवक दोनों पक्षों की ओर से आमंत्रित नहीं था।

पुलिस ने अवैध स्मेक के साथ युवक को किया गिरफ्तार

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस के द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से टीमों का गठन किया गया है जिसमें समय–समय पर अपराधियों के विरुद्ध संविधान संगत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में गोसाईगंज पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी उप निरीक्षक अजय कुमार चौरसिया वाहन चेकिंग अभियान चला रही थे तभी एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर भागने लगा तभी पुलिस ने पीछा कर भाग रहे संदिग्ध को धर दबोचा। पुलिस के द्वारा सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम अरविंद कुमार रावत पुत्र बाबूलाल फत्तेपुर मजरा कटरा बक्कास सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ बताया। जब पुलिस टीम के द्वारा अभियुक्त की तलाशी ली गई तो उसके पास से प्लास्टिक की पुड़िया में १० ग्राम पाउडर नुमा पदार्थ बरामद हुआ जिसको खुद अभियुक्त स्मैक के साथ गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को जुर्म से अवगत कराते हुए विभिन्न धारा के तहत मुकदमा के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया

गोमतीनगर में काले रंग की स्कूटी सवार बदमाशों का आतंक

लखनऊ । लखनऊ गोमतीनगर के विशेषखंड में मंत्री आवास के पास काले रंग की स्कूटी सवार बदमाशों का आतंक है। बीते १५ दिन में बदमाशों ने शनिवार को दूसरी लूट की वारदात को अंजाम दिया। इस बार बदमाशों ने एक मैनेजमेंट कालेज संचालक डा. विवेक तांगड़ी को हत्या का भय दिखाकर उनकी दो सोने की चेन लूट ली और भाग निकले। बदमाश फिर सीसी कैमरे में कैद हो गए हैं। पहली घटना में भी बदमाश सीसी कैमरे में कैद हुए थे पर विभूतिखंड पुलिस उन्हें अबतक पकड़ नहीं सकी। बढ़ती लूट की घटनाओं से मोहल्ले वाले दहशत में हैं। उन्होंने पुलिस पर इलाके में गश्त न करने का आरोप लगाया है।विशेषखंड में रहने वाले डा. विवेक तांगड़ी का मोहान रोड पर मैनेजमेंट कालेज है। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह वह साइकिङ्क्षलग करके लौट रहे थे। इस बीच मंत्री आवास के पास काले रंग की स्कूटी सवार दो बदमाशों ने रोका। रोकते ही स्कूटी चला रहे बदमाश ने कहा कि अरे भाई साहब नमस्कार आपने हमारी बड़ी मदद की थी। इस बीच पीछे बैठा बदमाश उतरा और बोला कि अब हम हत्या की सुपारी लेते हैं और फिरौती का काम करने लगे हैं। इस बीच बदमाश ने कंधे पर हाथ रखते हुए साथी से पिस्टल निकालने को कहा और गले से दो सोने की चेन खींच ली। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद दोनों चेन लेकर भाग निकले। बदमाशों के भागने पर शोर मचाया तो आस पड़ोस के लोग जुट गए। पीछा किया गया पर वह भागने में सफल रहे। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। विवेक के मुताबिक बदमाश घर के पास लगे सीसी कैमरे में कैद हो गए हैं। उन्होंने बताया कि इन्हीं बदमाशों ने १५ दिन पहले भी मोहल्ले में लूट की थी। सीसी कैमरे में तब भी कैद हुए थे। लेकिन पुलिस अबतक इन्हें पकड़ नहीं सकी। बदमाशों का पूरे मोहल्ले में आतंक है। स्थानीय लोग दहशत में हैं पुलिस मोहल्ले में गश्त नहीं करती है। जबकि मंत्री आवास है कई न्यायिक अधिकारी और अन्य अफसर भी रहते हैं। इंस्पेक्टर विभूतिखंड चंद्रशेखर ङ्क्षसह ने बताया कि टप्पेबाजी हुई थी। बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सीसी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।विवेक तांगड़ी ने बताया कि बदमाश गठीले बदन के थे। दोनों की उम्र करीब ३०–३२ साल थी। गोरे रंग के थे। दोनों के चेहरे पर दाढ़ी मूछें थी। स्कूटी पर पीछे बैठे बदमाश ने मास्क भी कुछ देर के लिए उतारा था। उसे देखकर पहचान लूंगा।

चुनाव से पहले यूपी में अकेले पड़े असदुद्दीन ओवैसी

अभी उत्तर प्रदेश में विराट गठबंधन के सहारे सरकार बनाने का दावा करने वाले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी अब अकेले पड़ गए हैं। उनके सभी साथी एक–एक कर उनका साथ छोड़ चुके हैं। पहले कई दलों को मिलाकर एक बड़ा गठबंधन बनाने की कवायद शुरू की गई थी। लेकिन अब वह खटाई में पड़ चुका है। मुस्लिम चेहरा के रूप में देश में अपनी अलग पहचान बना चुके ओवैसी को शुरू में राज्य में छोटे दलों का साथ जरूर मिला। भाजपा से नाराज होकर एनडीए से बाहर होने वाले ओमप्रकाश राजभर ने ओवैसी के साथ एक मोर्चे का ऐलान किया था जिसमें छोटे छोटे दलों को जोड़ा गया था। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश में भागीदारी मोर्चा का गठन किया गया था। लेकिन अब ओमप्रकाश राजभर भी समाजवादी पार्टी के साथ जा चुके हैं। जबकि कई और दलों ने अपना रास्ता अलग बना लिया है। ओवैसी ने भी भागीदारी मोर्चा के तहत १०० सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था। इसको लेकर ओवैसी ने यूपी में अपनी सक्रियता भी बढ़ा दी थी और लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर थे। इतना ही नहीं, समाजवादी पार्टी और बसपा पर भी उन्होंने मुस्लिमों को धोखा में रखने का आरोप लगा दिया। लेकिन अब ओवैसी खुद अकेले पड़ गए हैं। जो भागीदारी मोर्चा बना था उसमें मुख्य पार्टी के रूप में ओमप्रकाश राजभर थे जो अब सपा के साथ हो चुके हैं। इसी मोर्चे में कृष्णा पटेल की पार्टी भी थी जो कि अब सपा के साथ हो गई हैं। चंद्रशेखर आजाद और शिवपाल यादव की पार्टी के बीच में गठबंधन की बातचीत चल रही है। इसके अलावा अन्य छोटे–छोटे

दलों ने भी अपना रास्ता ओवैसी से अलग कर लिया है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि क्या ओवैसी इतनी आसानी से किसी के साथ गठबंधन को तैयार होंगे? क्या ओवैसी के लिए बसपा, सपा या कांग्रेस से गठबंधन करना इतना आसान होगा? वर्तमान परिस्थिति में देखे तो दोनों ही सवालों का जवाब ना है। सपा, बसपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां ओवैसी से गठबंधन करने से बचेगी। ऐसे में ओवैसी का इन पार्टियों के साथ गठबंधन का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। रही बात छोटी पार्टियों की तो उसमें ओवैसी को पहले ही झटका लग चुका है। ऐसे में सवाल यह है कि अब ओवैसी का आगे का प्लान क्या रहने वाला है? उत्तर प्रदेश में विधानसभा के ४०३ सीटें हैं जबकि मुसलमानों का वोट प्रतिशत १८ के आसपास है। यूपी में अब तक ज्यादातर मुस्लिम वोट समाजवादी पार्टी या फिर बहुजन समाज पार्टी को ही मिलती रही है। २०१७ में भी ओवैसी विधानसभा चुनाव में उतरे जरूर थे लेकिन उन्हें किसी ने नोटिस तक नहीं किया था। हालांकि, ओवैसी इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि सिर्फ और सिर्फ मुस्लिम वोट से यूपी में बात नहीं बनने वाली है। यही कारण है कि उन्होंने अन्य दलों को अपने साथ जोड़ा था, लेकिन वह अलग हो चुके हैं। ऐसे में वैसे फिलहाल शिवपाल यादव की पार्टी के संपर्क में हैं। ओवैसी को लगता है कि अगर शिवपाल यादव के बाद समाजवादी पार्टी के साथ नहीं बनती है तो वह उनके साथ आ सकते हैं। इसके अलावा एआईएमआईएम ने कुछ सीटों को चिन्हित करके रखा है जहां वह अपने उम्मीदवार हर हाल में उतारेगी। इसके अलावा ओवैसी की पार्टी ने ऐसे कई नेताओं उसके साथ बातचीत कर रखी है जिन्हें अगर दूसरे दलों से टिकट नहीं दिया जाता है तो एआईएमआईएम टिकट देगी।

राहुल, ममता की उम्मीदों को NCP ने दिया झटका, कहा- पवार होंगे प्रधानमंत्री उम्मीदवार

नई दिल्ली। वैसे तो देश में आम चुनाव अभी दूर हैं लेकिन अगला प्रधानमंत्री कौन बनेगा इसके लिए जोर आजमाइश शुरू हो चुकी है। साल २०२४ में होने वाले आम चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के दावे तो विपक्ष कर रहा है लेकिन उसमें एकजुटता का अभाव साफ दिखता है इसलिए इस बात पर सहमति नहीं बन पा रही है कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ संयुक्त विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा। एक ओर कांग्रेस अपने नेतृत्व में विपक्ष को यानि यूपीए को मजबूती देने के प्रयास कर रही है तो दूसरी ओर एनसीपी नेता एवं महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने कहा है कि साल २०२४ में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी मिलकर केंद्र में शरद पवार के नेतृत्व में सरकार का गठन कर सकते हैं। नवाब मलिक का यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केंद्र की राजनीति में अपनी पार्टी की जड़ें जमाने के लिए प्रयासरत हैं और हाल में उन्होंने दिल्ली से लेकर मुंबई तक विपक्ष के कई नेताओं से मुलाकात कर प्रधानमंत्री पद की अपनी उम्मीदवारी को मजबूत करने की भी कोशिश की लेकिन एनसीपी नेता नवाब मलिक ने शरद पवार

को खुद दौड़ में बता दिया है। हम आपको बता दें कि ममता बनर्जी ने अपनी मुंबई यात्रा के दौरान शरद पवार से भी मुलाकात की थी अब देखना होगा कि नवाब मलिक के इस बयान के बाद तृणमूल कांग्रेस का क्या रुख रहता है।

श्रीनगर के बाहरी इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के बाहरी इलाके में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में सोमवार को दो अज्ञात आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ रंग्रेठ इलाके में हुई है। कश्मीर जोन पुलिस ने ट्विटर पर बताया कि दो आतंकवादियों को ढेर किया गया है जिनकी अभी पहचान नहीं हो सकी है। उसने बताया कि तलाश अभियान जारी है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

कृष्णानगर में ठेकेदार के सिर में गोली मारकर हत्या

लखनऊ। कृष्णानगर के विजयनगर इलाके में रविवार रात सरेशाम बाइक सवार बदमाशों ने ठेकेदार महेंद्र प्रताप की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फायरिंग करते हुए भाग निकले। ठेकेदार की हत्या की सूचना पर डीसीपी सेंट्रल डा. ख्याति गर्ग और इंस्पेक्टर कृष्णानगर आलोक राय भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। पुलिस को मौके से एक खोखा और दो कारतूस, ठेकेदार की बाइक, पर्स और मोबाइल फोन मिला है, जिसे कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने दो से तीन राउंड फायरिंग की है। हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। इसके साथ ही हत्या में ठेकेदारी, लेन–देन समेत कई बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। विजयनगर में अनिल शुक्ला का मकान है। उन्होंने कुछ दिन पहले असलम नाम के ठेकेदार को मकान तोड़वाने का ठेका दिया था। इंस्पेक्टर कृष्णानगर के मुताबिक महेंद्र हरदोई रोड बसंतकुंज योजना के पीरनगर के रहने वाले थे। रविवार शाम करीब ५ : ३० बजे असलम के साथी महेंद्र प्रताप मकान तोड़वा रहे थे। साइट पर मजदूर भी लगे थे। महेंद्र देखरेख कर रहे थे। इसी बीच बाइक सवार दो बदमाश पहुंचे। उन्होंने महेंद्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग की और भाग निकले। सिर में गोली लगने से महेंद्र मौके पर ही गिर पड़े। उन्हें लोकबंधु ले जाया गया। वहां, डाक्टरों ने महेंद्र को मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी महेंद्र के परिवारजन को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अनिल से पूछताछ कर रही है। वहीं, बदमाश घटनास्थल से कुछ दूरी पर लगे एक सीसी कैमरे में कैद हो गए हैं। फुटेज के आधार पर उनकी तलाश

में दबिश दी जा रही है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। हत्यारों का सुराग लगाने के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। डीसीपी डा. ख्याति गर्ग ने बताया कि फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। सर्विलांस और क्राइम ब्रांच समेत कई टीमें बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगाई गई हैं।पुलिस को महेंद्र के पास से दो आधार कार्ड मिले हैं। एक सआदतगंज के हाता नूर बेग और दूसरा काकोरी के पते पर है। महेंद्र रहते कहां पर थे, इस बात की पुष्टि देर शाम तक नहीं हो सकी थी। महेंद्र ने दो आधार कार्ड क्यों बना रखे थे, इसकी भी जांच हो रही है। पुलिस ने घटना की जानकारी महेंद्र के परिवारजन को दी। सूचना के तीन से चार घंटे बाद भी घर का कोई सदस्य पुलिस के पास नहीं पहुंचा। परिवार वाले महेंद्र की मौत के संबंध में बात करने से कतराते रहें। महेंद्र घरवालों से अलग रहते थे। पुलिस को आशंका है कि महेंद्र के परिवार में भी कुछ विवाद चल रहा था। सीसी कैमरे में कैद बदमाश बाइक पर बैठे दिख रहे हैं। बाइक चला रहे बदमाश ने हेलमेट पहना था और नीले रंग की जींस की जैकेट और पीली पैंट पहने है। वहीं, पीछे बैठे बदमाश ने गाजरी रंग की जैकेट पहन रखी है। जैकेट की टोपी उसने लगा रखी है। फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

प्रियंका गांधी ने 'गौशालाओं की दुर्दशा' को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश की 'गौशालाओं की दुर्दशा' को लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा और प्रश्न किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसको लेकर जवाबदेही तय करेंगे? उन्होंने बांदा में कई गायों को जिंदा गाड़े जाने के दावे वाली एक खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''योगी आदित्यनाथ जी, आपकी सरकार के प्रशासन ने बांदा में सैकड़ों जिंदा गायों को दफना दिया। आपकी सरकार में गौशालाओं में गौ माता क्रूरता व अमानवीयता का शिकार हैं।'' कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने सवाल किया, ''नरेंद्र मोदी जी आज आप उप्र में हैं।

भाजपा नेता लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने से किया इनकार

मेरठ (उप्र)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे और उन्होंने खुद इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में चुनाव न लड़ने के अपने फैसले की जानकारी देते हुए कहा, ''मैंने पार्टी नेतृत्व को चुनाव नहीं लड़ने के अपने फैसले के बारे में अवगत करा दिया है।'' बहरहाल, उन्होंने यह भी कहा, ''मैं पार्टी का सिपाही हूं इसलिए अगर पार्टी नेतृत्व मुझे चुनाव लड़ने के लिए कहेगा तो मैं एक सच्चे

सिपाही के मानिन्द चुनाव लड़ने से इनकार नहीं करुंगा।'' गौरतलब है कि २०१७ का विधानसभा चुनाव हारने के बाद से वाजपेयी लगातार हाशिये पर है। हालांकि, बीच–बीच में कभी उन्हें राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा चली, तो कभी विधान परिषद सदस्य बनाने की चर्चा चली। उन्हें राज्यपाल बनाए जाने के कयास भी लगाए गए। वाजपेयी १९८९ में मेरठ शहर सीट से पहली बार विधायक चुने गए। वह इस सीट से चार बार विधायक रह चुके हैं।

मथुरा के बाद अब इस तीर्थ स्थल पर भी सीएम योगी ने लगाया मांस-मदिरा पर प्रतिबंधं

सोरोंजी। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार चुनाव के पहले कई कड़े कानून लागू कर रही है. योगी सरकार ने कासगंज जनपद के सोरोंजी को तीर्थ स्थल घोषित कर दिया था. अब एक बार फिर से यहां से बड़ी खबर आ रही है. योगी सरकार ने फैसला लिया है कि अब इस क्षेत्र में मांस–मदिरा के साथ अंडे की बिक्री पर भी रोक लगा दी जाएगी. यहां के २५ वार्डों के क्षेत्रों को तीर्थ स्थल घोषित करने के बाद याद ही सूचना जारी की गई है. यहां मांस, मदिरा और अंडों तक की खरीद बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है. इस संबंध में अपर जिला अधिकारी एके श्रीवास्तव ने जिला आबकारी अधिकारी और अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा को निर्देश दे दिए हैं. उन्होंने कहा है कि शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए.बता दें कि तीर्थ नगरी

सोरोंजी में पौराणिक और प्राचीन मेला मार्कशीट शनिवार से शुरू हो रहा है. यह मेला २५ दिसंबर तक चलेगा और इस दौरान यहां हजारों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है. योगी सरकार जो फैसला कर श्रद्धालुओं को खुश करना चाहती है जिसका लाभ उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में मिले. इस मेले का उद्घाटन राज्य के समग्र विकास नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन मंत्री महेश चंद्र गुप्ता करेंगे.कुछ दिनों पहले जब ऐसा ही एक आदेश मथुरा के लिए जारी किया गया था तब योगी आदित्यनाथ में बड़ा बयान दिया था. उस समय सीएम योगी ने कहा था कि जो लोग मांस और शराब के कारोबार में जुड़े हुए हैं वे शराब बेचना शुरू करें. सीएम योगी ने यह भी कहा था कि इसके लिए अगर वह चाहे तो राज्य सरकार मदद पहुंचाने के लिए भी तैयार है. समय–समय पर सीएम योगी इस संबंध में दूसरी राजनीतिक पार्टियों को ही निशाना बनाते रहे हैं.

हरिशंकर तिवारी परिवार सपा में शामिल, पूर्वांचल में बदलेंगे सियासी समीकरण

लखनऊ। पूर्वांचल के कद्दावर ब्राह्मण नेता पंडित हरिशंकर तिवारी का परिवार आज समाजवादी पार्टी में शामिल हो गया। उत्तर प्रदेश में जल्द होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न जातियों को सपा से जोड़ने में जुटे समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिए पूर्वांचल में ये एक बड़ी सियासी सफलता मानी जा रही है। उत्तर

प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पूर्व बीएसपी और बीजेपी समेत सभी पार्टियां ब्राह्मण वोटरों को लुभाने की कोशिश में जुटी हैं। बीएसपी ने तो ब्राह्मण वोटों को अपने साथ जोड़ने का अभियान भी शुरू किया है। ऐसे में कभी धुर कांग्रेसी रहे तिवारी परिवार का सपा के साथ जुड़ना बीएसपी के लिए ही नहीं राज्य की सत्ताधारी बीजेपी के लिए भी बड़ा झटका साबित हो सकता है। योगी सरकार के खिलाफ ब्राह्मणों के नाराजगी का मुद्दा पहले से ही काफी गरमाया हुआ है। जानकारों का मानना है कि यूपी में राजपूत बनाम ब्राह्मण की राजनीति के बीच हरिशंकर तिवारी परिवार का सपा में जाने से पूर्वांचल के समीकरण बदल सकते हैं। हरिशंकर तिवारी के बड़े पुत्र पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी 'कुशल तिवारी' और छोटे बेटे विधायक विनय शंकर तिवारी आज बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ आज सपा में शामिल हो गये। इसके साथ ही उनके भांजे व पूर्व विधान परिषद अध्यक्ष गणेश शंकर पांडेय, संतकबीरनगर से बीजेपी विधायक दिग्विजय नारायण चौबे उर्फ जय चौबे, संजय दीक्षित तथा बीएसपी नेता संतोष तिवारी ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। गोंडा के करनैलगंज से बीएसपी प्रत्याशी रहे संतोष तिवारी और गोंडा मंडल में बड़ा ब्राह्मण चेहरा माने जाते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाई। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने हरिशंकर तिवारी के बड़े पुत्र पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी 'कुशल तिवारी', छोटे बेटे विधायक विनय शंकर तिवारी और उनके भांजे गणेश शंकर पांडेय को गत ०७ दिसंबर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। जिसके बाद से उनके समाजवादी पार्टी में आने के कयास लगाए जा रहे थे। इसी के साथ अखिलेश यादव को पूर्वांचल में बड़े ब्राह्मण चेहरे को अपने साथ जोड़ने में सफलता मिल गई। पंडित हरिशंकर तिवारी पूर्वी उत्तर प्रदेश विशेषकर गोरखपुर की राजनीति के मजबूत स्तंभ माने जाते है। चिल्लूपार विधानसभा सीट से लगातार ६ बार विधायक रहे हरिशंकर तिवारी की पहचान ब्राह्मणों के बाहुबली नेता के तौर पर है। १९८५ में हरिशंकर चिल्लूपार से विधायक बने। इसके बाद यह सीट तिवारी के नाम से जानी जाने लगी। वह १९८९, ९१, ९३, ९६ और २००२ में यहीं से जीते। वर्ष २००७ और २०१२ में उन्हें यहां से हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद से उनके छोटे पुत्र विनय शंकर तिवारी यहां से विधायक बने। ७० के दशक में राजनीति में धनबल और बाहुबल के जनक के तौर पर स्थापित हरिशंकर तिवारी की तूती बोलती थी। एक समय था जब गोरखपुर शहर के बीचोबीच 'तिवारी का हाता' से ही प्रदेश की सियासत तय होती थी। वे कांग्रेस, बीजेपी, सपा और बीएसपी सरकारों में मंत्री रहे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तिवारी परिवार के सपा में आने को एक बड़ी जीत मानते हुए कहा कि इससे राज्य के मुख्यमंत्री के गृह जनपद में सपा की स्थिति मजबूत होगी। अखिलेश यादव ने आज प्रेस क न्फ्रेंस में कहा कि तिवारी परिवार काफी प्रतिष्ठित है और सीएम के क्षेत्र में अब सपा की लड़ाई किसी से नहीं है। अखिलेश यादव ने इस दौरान कहा कि बीजेपी की सरकार में सभी लोग परेशान हैं। महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार सवाल से बच रही है। सपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि बाबा की सरकार यूपी में रोज खबर छपवाती है कि लैपट प और टैबलेट बांटेगी, लेकिन सरकार अब कार्यकाल खत्म होने के समय बांटने का ऐलान कर रही है। अखिलेश यादव ने कांग्रेस और बसपा के चुनावी फाइट में होने के सवाल पर कहा कि लड़ाई अब एकतरफा है और सपा सरकार बना रही है।

मोदी ने औरंगजेब के अत्याचार गिनाए

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का सोमवार को लोकार्पण किया। इस मौके पर वे खुद गंगा जल लेकर मंदिर में पहुंचे और विधिवत पूजा अर्चना की। उसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर के पुनरूद्धार के पहले चरण का लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने मंदिर परिसर

में एक भाषण भी दिया, जिसमें उन्होंने मुगल शासक औरंगजेब के अत्याचार गिनाए और कहा कि जब जब औरंगजेब आता है तब तब शिवाजी भी उठ खड़े होते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले इस क रिडोर के लोकार्पण के साथ औरंगजेब और सालार मसूद के जिक्र को बेहद अहम माना जा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को काशी विश्वनाथ क रिडोर के पहले चरण का लोकार्पण करने के बाद अपने भाषण में यहां अगर औरंगजेब आता है, तो शिवाजी भी उठ खड़े होते हैं। उन्होंने यह भी काह कि इस देश की मिट्टी बाकी दुनिया से कुछ अलग है। प्रधानमंत्री ने वाराणसी की सभ्यता और विरासत की तारीफ की और कहा कि कई सल्तनतों का उदय और पतन हुआ, लेकिन बनारस बना रहा। मोदी ने कहा, 'आतातायियों ने इस नगरी पर आक्रमण किए, इसे ध्वस्त करने के प्रयास किए! औरंगजेब के अत्याचार, उसके आतंक का इतिहास साक्षी है, जिसने सभ्यता को तलवार के बल पर बदलने की कोशिश की, जिसने संस्कृति को कट्टरता से कुचलने की कोशिश की, लेकिन इस देश की मिट्टी बाकी दुनिया से कुछ अलग है'। उन्होंने कहा, 'यहाँ अगर औरंगजेब आता है, तो शिवाजी भी उठ खड़े होते हैं! अगर कोई सालार मसूद इधर बढ़ता है, तो राजा सुहेलदेव जैसे वीर योद्धा उसे हमारी एकता की ताकत का अहसास करा देते हैं और अंग्रेजों के दौर में भी, हेस्टिंग का क्या हश्र काशी के लोगों ने किया था, ये तो काशी के लोग जानते ही हैं'। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'विश्वनाथ धाम का ये पूरा नया परिसर एक भव्य भवन भर नहीं है, ये प्रतीक है, हमारे भारत की सनातन संसेंति का! ये प्रतीक है, हमारी आध्यात्मिक आत्मा का! ये प्रतीक है, भारत की प्राचीनता का, परपंराओं का! भारत की ऊर्जा का, गतिशीलता का'। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर जो पहले मात्र तीन हजार वर्ग फुट का था, वह बढ़ कर अब करीब पांच लाख वर्ग फुट हो गया है। अब ५० से ७० हजार श्रद्धालु मंदिर परिसर में आ सकते हैं। मोदी ने कहा, 'नया इतिहास बना है और हमारा सौभाग्य है कि हम इसके गवाह बने हैं'।

ओमप्रकाश राजभर का भाजपा पर जोरदार हमला, कहा- किसी की औकात नहीं, हमारे सिंबल को रोक दे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने जा रहे चुनावों का घमासान चरम पर है। पार्टियों के नेतागण लगातार एक–दूसरे पर शब्दों के बाण छोड़ने पर लगे हुए हैं। सपा, बसपा, कांग्रेस, आप के बाद अब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने यूपी सरकार और भाजपा की केन्द्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने यूपी के बहराइच में एक महापंचायत में मुख्य अतिथि के रूप में योगी सरकार और केन्द्र की मोदी सरकार को चुनौती देते हुए कहा है कि चुनाव आयोग की भी औकात नहीं है कि पीएम मोदी और सीएम योगी के कहने पर हमारे सिंबल को रोक दे। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने अपनी पार्टी सुभासपा के सिंबल को लेकर केन्द्र की मोदी सरकार, यूपी की योगी सरकार और चुनाव आयोग को खुली चुनौती दे दी। उन्होंने कहा कि, किसी की मां ने इतना दूध नहीं पिलाया कि हमारे सिंबल को रोक दे। उन्होंने चुनाव आयोग को चौलेंज करते हुए कहा कि मैं चौलेंज देता हूं पीएम मोदी और योगी के कहने पर भी चुनाव आयोग की भी औकात नहीं कि हमारे सिंबल

को रोक दे। सुभासपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने महापंचायत में यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को आड़े हाथों लेते हुए उनपर जमकर निशाना साधा और कहा कि, योगी जी के 'सांड' से जनता परेशान हो गई हैं। इनके सांड ने जमकर किसानों पर आतंक फैलाया है। ये सांड गरीब किसानों की फसल को चर रहे हैं जिससे किसानों ने अब बदलाव का मन बना लिया है।

संचारी रोगों से बचाव की दी गई जानकारी

गोला खीरी। कृषक समाज इंटर कॉलेज मैं कालेज प्रधानाचार्य डॉ एलआर वर्मा की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग जागरूकता अभियान के कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसके मुख्य अतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ गणेश कुमार उपस्थित रहे। डॉ गणेश कुमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं को बताया कि देश पहले एचआईवी पॉजिटिव संक्रमण उसके बाद पहली, दूसरी कोविड–१६ लहर तथा अब हम ओमीक्रोन वैरीअंट की तीसरी लहर का सामना करने के लिए तैयार रहें बच्चों को सुरक्षित रहने के लिए दिशा निर्देश दिए , मास्क हमेशा लगा कर रखें ,साबुन पानी से हाथ धोते रहें, २ गज की दूरी बनाए रखें, १८ से ऊपर वाले व्यक्ति अपना वैक्सीनेशन अवश्य करवा लें, खासी, जुखाम, बुखार होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना इलाज कराएं सावधानी एवं सतर्कता इस समय जरूरी है। प्रधानाचार्य डॉ एल आर वर्मा ने बताया कि कॉलेज में विद्यालय प्रांगण मैं प्रत्येक छात्र स्वच्छ बनाए रखें सभी विद्यार्थी अपने साथ पानी की बोतल सैनिटाइजर अवश्य लेकर आएं जिससे हम आने वाली तीसरी लहर से आसानी से जंग जीत सके कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनिल कुमार अशोक कुमार वर्मा तथा संचालन देवेंद्र सिंह ने किया।

६७ दिव्यांग बच्चों को मिले सहायक उपकरण, बच्चों के खिले चेहरे

राकेश पाण्डेय 'निश्छल'

लखनऊ। सरोजिनी नगर विकास खंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय नटकुर में एलिम्को कानपुर व बेसिक शिक्षा विभाग के सहयोग से उपकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया. जिसमें ६७ दिव्यांग बच्चों को सहायक

उपकरण का वितरित किये गए। जिला परियोजना महानिदेशक सर्व शिक्षा अभियान उत्तर प्रदेश लखनऊ अनामिका सिंह ने बच्चों को सहायक उपकरण दिए। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में महनिदेशक अनामिका सिंह ने दिव्यांग बच्चों का स्वयं माला पहनाकर स्वागत करते हुए कहा कि सम्मान के असली हकदार ये दिव्यांग बच्चे हैं। एलिम्को कानपुर के सहयोग से आयोजित सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में विशिष्ट श्रेणी के ६७ बच्चों को उनकी जरूरत के मुताबिक उपकरण प्रदान किये। जिसमें ०८ ट्राईसाइकिल, १७ व्हीलचेयर, ११ सीपी चेयर, ४४ एमएसआईडी किट, ३४ श्रवण यंत्र, ०४ ब्रेलकिट, ०४ स्मार्ट केन, ०५ब्रेलस्लेट, २१ कैलीपर, २४ रोलेटर, १० एल्बो क्रच दिए गये। उपकरण पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे भावुक होकर कुछ अभिभावकों की आंखों में आंसू भी आए। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक समेकित शिक्षा मीनू तिवारी ने किया। इस अवसर पर एलिम्को से अधिकारी, वरिष्ठ विशेषज्ञ, अपर परियोजना निदेशक सर्व शिक्षा अभियान उत्तर प्रदेश लखनऊ सरिता तिवारी, समावेशी शिक्षा उत्तर प्रदेश राकेश कुमार पाण्डेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लखनऊ विजय प्रताप सिंह, जिला समन्वयक प्रशिक्षण लखनऊ संतोष मिश्र, खंड शिक्षा अधिकारी सरोजनी नगर शिवनंदन सिंह, शिक्षक अरुण मिश्रा, मुकेश सिंह, प्रकाश चंद तिवारी, सुधांशु , रीता मौर्या, अशोक यादव एवं अभिभावक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चक्का जाम की चेतावनी के बाद चेता प्रशासन

कृष्ण कुमार शुक्ला

मैगलगंज खीरी। तीन दिनों से एक स्थान पर एकत्र किए गए छुट्टा पशुओं को गौशाला भेजने की सुनवाई स्थानीय प्रशासन द्वारा न किये जाने से नाराज किसानों ने किसान नेता श्यामू शुक्ला के नेतृत्व में नेशनल हाइवे पर पशु छोड़ने की चेतावनी दी है। श्यामू शुक्ला ने सभी किसानों से अधिक से अधिक छुट्टा पशुओं को पकड़कर लाने की अपील की है।खेतों में लहलहाती फसलों के दुश्मन बने छुट्टा पशुओं के कहर से परेशान हुए किसान शिकायत के बावजूद समाधान न होने के बाद आन्दोलन करने पर विवश होते दिखाई दे रहे हैं। बतादें कि तीन दिन पूर्व जमुनिया रना सहित कई गांवों के किसानों ने एकजुट होकर छुट्टा घूम रहे लगभग पचास से अधिक पशुओं को रहजनियाँ स्थित रेलवे अंडरपास में लाकर एकत्र किया था। किसानों ने इन पशुओं को गौशाला भेजने की अपील स्थानीय प्रशासन से की थी। इस दौरान किसानों ने पशुओं के लिए चारा पानी की व्यवस्था की थी ताकि पशु भूंखे न रहें। प्रशासन द्वारा कोई व्यवस्था न किये जाने की जानकारी मिलने पर भाकियू अवध गुट के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष श्यामू शुक्ला मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने किसानों की समस्या को देखते हुए एलान किया कि रविवार शाम तक यदि प्रशासन द्वारा छुट्टा पशुओं को गौ आश्रय स्थल पर नहीं भेजा गया तो सोमवार को किसान इन पशुओं को लेकर नेशनल हाइवे स्थित जतनगंज गोमती पुल पर एकत्र होंगे और पुल के दोनों तरफ मार्ग अवरुद्ध कर बीच पुल पर छुट्टा पशुओं को छोड़ देंगे। श्यामू शुक्ला ने बताया कि उनके द्वारा दी गई चेतावनी की सूचना पशु पालन विभाग, राजस्व विभाग व विकास विभाग को दे दी गई है साथ ही सभी किसानों से अधिक से अधिक छुट्टा पशुओं को पकड़कर जतनगंज पुल पहुंचने की अपील की गई है। किसान नेता श्यामू शुक्ला ने चेतावनी दी अगर छुट्टा जानवर कल पशु आश्रय ग्रह में न भेजे गए तो कल होगा नेशनल हाइवे जाम चक्का जाम की चेतावनी सुनकर जागा खीरी और हरदोई का प्रशासन सुबह ही बीडीओ पसगंवा प्रभारी निरक्षक मैंगलगंज पहुंचे मौके किसान नेता श्यामू शुक्ला और खंड विकास अधिकारी पसगंवा के बीच सार्थक वार्ता के बाद आंदोलन को किया गया स्थगित खंड विकास अधिकारी पसगंवा मैं स्वयं अपनी देखरेख में गौवंशो को भिजवाया क्षेत्र के कई गौशाला में एवं हरदोई प्रशासन ने पांच दिन का मांगा समय चिन्हित गांवो के आवारा गौवंशो को पकड़कर भिजवाया जाएगा पशु आशय ग्रह सार्थक वार्ता के बाद चक्का जाम स्थगित किया गया क्षेत्रीय किसानों व संगठन ने दोनों जनपदों के प्रशासन को धन्यवाद दिया।

अद्भुत नदी : ८० फिट चौड़ी और १६ फीट गहरी उबलती नदी

अमरेन्द्र सहाय अमर

प्रकृति अपने आप में बहुत से रहस्यों को समेटे हुए है. कुछ तो वैज्ञानिको ने सुलझा लिया लेकिन बहुत सी प्राकृतिक रहस्य ऐसे हैं जिन्हें सुलझाने में वे असफल हैं. क्या जिस नदी की बात हम कर रहे है वह अमेजन के जंगलों में पेरू में स्थित है. लोग इसे उबलती नदी यानि बोइलिंग रीवर के नाम से जानते हैं. कुछ लोगों का कहना है इस नदी के नीचे ज्वालामुखी है ८० फिट चौड़ी और १६ फीट गहरी इस नदी को दुनिया का थर्मल नदी कहा जाता है. इस नदी के पानी का तापमान ५० से ६० डिग्री सेल्सियस तक रहता है और कुछ स्थानों पर १०० डिग्री तक पहुंच जानवर नदी में गिरता है तो वह तेर कर बाहर निकल जाता है लेकिन अगर कोई जानवर इस नदी में गिरता है तो वह मर जाता है. इस नदी में मेढक, मछलियां जैसे जलचर जीव भी नही पाए उबलती रहती है. इस नदी के आस पास रहने वाले लोग इस नदी को पवित्र मानते है. यह लोग इस नदी के पनी का उपयोग घाव चोट आदि को ठीक करने में प्रयोग करते हैं. हालाँकि हिमालय क्षेत्र में

आप यकीन करेंगे एक नदी ऐसी है जिसका पानी चौबीस घंटे उबलता ही रहता है. अगर आप इस नदी ने स्नान करेंगे तो आपका बदन बुरी तरह से जल जाएगा. इस नदी में हजारो जानवर अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं. जिसकी वजह से इसका पानी उबलता रहता है, लेकिन वहां न तो कोई ज्वालामुही है और न ही कोई लावा . ऐसा वैज्ञानिको का मत है. इसके बाद भी सात किलोमीटर लम्बी नदी उबलती रहती है. वैज्ञानिको के अनुसार जाता है, जिससे आप चाय तक बना सकते हैं. आधा सेकंड से कम समय तक पानी में हाथ डालने से जलने की थर्ड डिग्री तक घाव हो सकते हैं. इस नदी के आस पास जंगल है जहाँ बहुत से जानवर रहते हैं आम तौर पर जब कोई जाते हैं. बहुत पहले इस नदी पर कुछ वैज्ञानिकों ने शोध किया था. उनके अनुसार यह हाट स्प्रिंग है. आम तौर पर धरती के अन्दर कुछ परतें गर्म होती हैं यह पानी धरती के उन्ही हिस्सों से निकलता है. ऐसी हालत में यह नदी पूरे साल भी गर्म पानी के बहुत से स्त्रोत मिलते हैं. दरअसल हिमालय में कई स्थानों पर सल्फर के पहाड़ हैं जब भी पानी सल्फर के पहाड़ों से गुजर कर आता है तो वह अपने आप गर्म हो जाता है. ऐसे जलाशयों को अपने देश में भी पवित्र माना जाता है।

किसानों को योगी सरकार ने दी बड़ी राहत, ४७१.७७ करोड़ रुपये किए जारी

लखनऊ। बाढ़ और बारिश का प्रकोप झेल चुके किसानों को योगी सरकार ने बड़ी राहत दी है। किसानों को फसल का मुआवजा देने के लिए ४७१.७७ करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इससे प्रदेश के १३.४३ लाख किसान लाभान्वित होंगे। शासन ने संबंधित जिलाधिकारियों को भी आदेश जारी कर दिया है कि प्रभावित किसानों को तत्काल लाभ दिलाया जाए।इस बार बाढ़ व भारी बारिश से किसानों की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन किसानों की परेशानी को समझने और इसकी भरपाई करने के लिए बाढग्रस्त इलाकों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने प्रभावित सभी जिलों के अधिकारियों से पीडिघ्तों किसानों

का सर्वे करके उनको तत्काल राहत राशि पहुंचाने के निर्देश दिए थे। यह मुआवजा राशि जिला कोषागार से सीधे किसानों के बैंक खाते में भेजी जा रही है। सरकार राज्य आपदा राहत कोष से किसानों को दी जा रही वित्तीय सहायता के संबंध में अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह की ओर से शासनादेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि राहत आयुक्त कार्यालय की वेबसाइट पर फीड डाटा के तहत ५,३४,६४,३८,६८१ रुपये की मांग की गई थी। सत्यापन के बाद ५७ जिलों के १३,४३,६२० किसानों के लिए कुल ४,७१,७७,५६,२१० रुपये आवंटित किए गए हैं। बता दें कि किसानों के किसी भी मामले को लेकर योगी सरकार बहुत अलर्ट है। किसानों से संबंधित कार्यों की खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निगरानी कर रहे हैं।

बसपा सरकार के कार्यकाल में रखा गया किसानों का पूरा ध्यान : मायावती

लखनऊ। केन्द्र सरकार के तीनें षि कानून को वापस लेने के बाद किसानों का आंदोलन भी समाप्त हो गया है, लेकिन इसको लेकर राजनीति अभी भी जारी है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को दो ट्वीट में अपनी सरकार के कार्यकाल को किसानों के लिए सबसे बेहतर बताया।इंटरनेट मीडिया पर बेहद सक्रिय होने के बाद मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सरकार में नहीं बल्कि उससे पहले की रही सरकारों के समय से ही यहां काफी चीनी मिलें बंद चल रही थीं। मायावती ने कहा कि बाद में उन्हीं में से कुछ चीनी मिलें हटाई गईं। इन सब प्रकरण को लेकर बसपा पर जबरदस्ती पूर्व की सरकारों की कमियां थोपना ठीक नहीं है।मायावती ने कह कि इसके साथ ही हाल ही में अभी हाल ही में बुंदेलखण्ड में यूरिया की कमी को किसान सड़कों पर उतरे। उन्होंने कहा कि वहां पर जो किसान

सड़कों पर उतरे, उसे भी दूसरों पर थोपना उचित नहीं है। उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि बीएसपी की सरकारों में किसानों का हर मामले में पूरा–पूरा ध्यान रखा गया था, जिसे किसान भूले नहीं हैं।

विराट कोहली आए टीम में तो रोहित शर्मा बाहर, दक्षिण अफ्रीका में नहीं दिखेगी 'हिटमैन शो'

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले भारत के लिए एक बुरी खबर आई है. भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज और ज्२० क्रिकेट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं. बता दें कि खबर आई थी कि रोहित शर्मा को नेट प्रैक्टिस के दौरान चोट लग गई थी. जिसके बाद अब जानकारी दी गई है कि रोहित शर्मा टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे. हालांकि वे वनडे श्रृंखला के हिस्सा होंगे या नहीं इस पर अभी तक कोई फैसला या जानकारी नहीं दी गई है. लोकिन सोशल मीडिया में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के बीच मतभेद चल रहा है और दोनों एक दूसरे के साथ खेलने में हिचकिचा रहे हैं. हालांकि इन बातों का कोई आधार नहीं है. बता दें कि इस टेस्ट श्रृंखला के पहले अजिंक्य रहाणे की जगह रोहित

शर्मा को उपकप्तान बनाया गया था. अजिंक्य रहाणे पिछले कुछ समय से बुरे फ र्म की वजह से जूझ रहे हैं. ऐसे में रोहित शर्मा को टी–२० और वनडे के साथ ही टेस्ट मैचों में भी उपकप्तान नियुक्त कर दिया गया था. चोट लगने के कारण अब रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो चुके हैं. ऐसे में अब तक बीसीसीआई की ओर से नए उप कप्तान के बारे में कोई घोषणा नहीं की गई है.भारतीय टीम के उप कप्तान के चोटिल होने के बाद प्रियांक पांचाल को टीम में शामिल किया गया है. बता दें कि प्रियांक ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था. हालांकि इसके पहले उन्होंने अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. लेकिन ३१ साल के खिलाड़ी के पास टेस्ट का अच्छा अनुभव है और सब फर्स्ट क्लास मैच में ४६ की औसत से ७०११ रन बना चुका हैं।

लखनऊ में ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग

लखनऊ। सुहेलदेव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ शनिवार को भारतीय जन–जन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव वर्मा ने मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने पदाधिकारियों के साथ इंस्पेक्टर हजरतगंज श्यामबाबू शुक्ला को प्रार्थनापत्र दिया है। भारतीय जनजन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव वर्मा दोपहर प्रतिनिधि मंडल के साथ हजरतगंज कोतवाली पहुंचे। उन्होंने बताया कि बीते दिनों सुहेलदेव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक ओमप्रकाश राजभर ने कुशीनगर में आयोजित जनसभा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है।इससे जनता की आस्था को ठेस पहुंची है। विधायक ओमप्रकाश राजभर की टिप्पणी के कारण माहौल बिगड़ सकता है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ओमप्रकाश राजभर की विधानसभा की सदस्यता भी रद्द करने की मांग की है। इस दौरान उनके साथ मोहित मिश्रा, सौराष्ट्र जीत सिंह, मनीष साहू और अन्य लोग मौजूद रहें। इंस्पेक्टर हजरतगंज ने बताया कि प्रार्थनापत्र के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। गौरव वर्मा से टिप्पणी से संबंधित साक्ष्य भी मांगे गए हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

एमएस धोनी के लिए विराट कोहली की पोस्ट वायरल, 2021 में इस पोस्ट को सबसे ज्यादा पसंद और रीट्वीट किया गया

नई दिल्ली। २०२१ में भारत में खेलों में सबसे अधिक रीट्वीट और पसंद किया जाने वाला ट्वीट दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल के दौरान एमएस धोनी की मैच जीतने वाली वीरता के लिए विराट कोहली की प्रशंसा पोस्ट था। एमएस धोनी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अंतिम ओवर के मास्टरस्ट्रोक से क्रिकेट की दुनिया को गुलजार कर दिया, जिसने चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग २०२१ के फाइनल में पहुँचाया। विस्मयकारी प्रशंसकों मंए विराट कोहली थे। भारत के टेस्ट कप्तान खुद जिन्होंने अपने समकालीन की सराहना करते हुए उन्हें 'KING' कहकर सभी के दिलों की सराहना की। यह सबसे अधिक रीट्वीट किया गया और २०२१ में खेलों में सबसे अधिक पसंद किया जाने वाला ट्वीट भी था। ट्विटर द्वारा उपयोग की जाने वाली कार्यप्रणाली १ जनवरी से १५ नवंबर, २०२१ के बीच भारत में ट्विटर खातों द्वारा

रीट्वीट/लाइक की कुल संख्या पर आधारित थी। कोहली ने १० अक्टूबर को ट्वीट किया कि।दककककक जीम ज्ञपदह वापस आ गया है घ्घ्खेल में अब तक का सबसे महान फिनिशर। मुझे आज रात एक बार फिर अपनी सीट से कूदने के लिए प्रेरित किया। २०२१ में भारत में खेल आयोजनों के बारे में सबसे अधिक ट्वीट किया गया टोक्यो २०२० और उसके बाद आईपीएल २०२१ और टी २० विश्व कप था। पैरालिंपिक और यूरो २०२० ने माइक्रो–ब्लॉगिंग साइट पर सबसे अधिक चर्चित घटनाओं में शीर्ष –५ में जगह बनाई। ट्विटर पर भारतीय एथलीटों की सुर्खियां बटोरते हुए स्पोर्ट्स फीवर ड्रम ने सेवा पर जोर दिया। भारतीय एथलीटों के बारे में सबसे अधिक ट्वीट किए जाने पर भारत के टेस्ट कप्तान विराट कोहली के बाद महान क्रिकेटर एमएस धोनी, मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर, टीम इंडिया के टी२० और वनडे कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग शामिल हैं। यह ओलंपिक का वर्ष था और भारतीय एथलीटों ने जीत की एक बड़ी श्रृंखला पेश की जिसने ट्विटर पर अपने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। बैडमिंटन स्टार और दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु २०२१ में भारत में ट्विटर पर 'सबसे ज्यादा ट्वीट की जाने वाली' ओलंपियन एथलीट बनीं। इसी खिताब के तहत दूसरा स्थान हासिल करने वाले गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा थे, जबकि तीसरा पोडियम फिनिश कांस्य पदक विजेता द्वारा भरा गया था। बजरंग पुनिया। स्टार भारतीय एथलीट, लवलीना बोर्गोहेन और सैखोम मीराबाई चानू को पोडियम फिनिश नहीं मिला, लेकिन उन्होंने शीर्ष ५ में जगह बनाई और भारत और दुनिया भर में अरबों युवा महिला एथलीटों को प्रेरित किया। मैदान पर उनके प्रदर्शन की तरह, येलो में पुरुष भी ट्विटर पर ऑफ–फील्ड बातचीत पर हावी रहे क्योंकि उन्होंने अपना चौथा आईपीएल खिताब दर्ज किया। चेन्नई सुपर किंग्स २०२१ में ट्विटर पर टीम के बारे में सबसे अधिक ट्वीट किया गया था, इसके बाद रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर, मुंबई इंडियंस, राजस्थान र यल्स और इवेंट उपविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स थे।

माफियावादी पार्टी होना चाहिए समाजवादी पार्टी का नाम : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। समाजवादी पार्टी में रविवार को गोरखपुर के पंडित हरिशंकर तिवारी के पुत्रों पूर्व सांसद कुशल व विधायक विनय तिवारी के समाजवादी पार्टी में शामिल होने पर कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक ने तीखी प्रतिक्रिया दी। पाठक ने लखनऊ में कहा कि समाजवादी पार्टी के मूल में ही माफियावाद, अराजकतावाद, अपराधवाद और भ्रष्टाचारवाद शामिल है। जो गुण मूल में होते हैं वह बदलते नहीं हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार में विधि एवं न्याय तथा ग्रामीण अभियंत्रण मंत्री ब्रजेश पाठक ने पूर्वांचल के माफिया, गोरखपुर के गोरखनाथ थाने के हिस्ट्रीशीटर एवं पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के कुनबे विधायक विनय शंकर तिवारी, पूर्व सांसद भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी व विधान परिषद के पूर्व सभापति गणेश शंकर पाण्डेय के रविवार को समाजवादी पार्टी में शामिल होने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। पाठक ने कहा कि हरिशंकर तिवारी और उनके कुनबे के इतिहास और कारनामों से जनता भली–भांति वाकिफ है। पूर्वांचल में इस परिवार के आवास को जिस हाता के नाम से जाना जाता है, उसे लोग अपराध की नर्सरी भी समझते रहे हैं। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के पहले तक यह परिवार गोरखपुर और आसपास के जिलों में सत्ता संरक्षित अपराध उद्योग का बोर्ड ऑफ डायरेक्टर हुआ करता था। सरकारी ठेकों में हस्तक्षेप से कमाई भी इनका धंधा था। योगी आदित्यनाथ सरकार में अन्य माफिया की तरह अब इनकी भी हेकड़ी गुम है। ब्रजेश पाठक ने आगे कहा कि यही कारण है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को अपनी

पार्टी की पुरानी परिपाटी के मुताबिक अपराधी व माफिया ही पसंद हैं। वास्तव में समाजवादी पार्टी का नाम माफियावादी पार्टी हो जाना चाहिए।ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूर्व में इस कुनबे की तरफ से किए गए एक बड़े बैंक घोटाले का खुलासा इस सरकार में हुआ है जिस पर कानून अपना काम कर रहा है। बैंक ऑफ इंडिया समूह के ७५० करोड़ रुपये समेत अलग अलग बैंकों से लोन के नाम पर ११०० करोड़ रुपये गटक जाने वाले इस परिवार की कम्पनी गंगोत्री इंटरप्राइजेज के खिलाफ सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी हो चुकी है। दोनों केंद्रीय संस्थाओं की तरफ से विधायक विनय शंकर तिवारी समेत पूरे परिवार के खिलाफ धोखाधड़ी व मनी लांड्रिंग मुकदमा दर्ज किया गया है, जांच जारी भी है। पाठक ने कहा अपने इन कारनामों को छिपाने के लिए यह माफिया चाहे किसी भी दल में जाकर पनाह मांगें, केंद्र व यूपी सरकार किसी भी अपराधी को जनता की गाढ़ी कमाई हड़पने नहीं देगी। अखिलेश यादव के हर काम का श्रेय लेने की आदत पर ब्रजेश पाठक ने कहा पार्टी का नाम ही नहीं, अखिलेश को भी अपना नाम बदल कर श्रेय यादव रख लेना चाहिए। पाठक ने कहा कि २०१७ में जनता के बुरी तरह नकारे गए अखिलेश यादव की आज की स्थिति पर तरस आता है। अतीक अहमद तथा मुख्तार अंसारी जैसे माफिया की पैरवी करने वाले अखिलेश यादव अपराधियों पर योगी आदित्यनाथ सरकार की सख्ती से सबक लेने की बजाय पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ माफिया हो को अपना हमराह बना रहे हैं। माफिया पर नकेल सरकार कस रही है और माफियावादी पार्टी को दोबारा सबक सिखाने के लिए जनता भी बेकरार है।ब्रजेश पाठक ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले माफिया की फौज खड़ी कर अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनने का ख्वाब देख रहे हैं लेकिन उन्हें एकबार २०१७ का चुनाव परिणाम भी याद कर लेना चाहिए जब उनकी सरकार की पोषित माफियागिरी से त्रस्त होकर जनता ने उन्हें कुर्सी से उठाकर फेंक दिया था। जनता को २०१७ से योगी आदित्यनाथ सरकार में अपराध व गुंडागर्दी से मुक्ति मिली है। ऐसे में अखिलेश लाख माफिया–अपराधियों को अपनी साइकिल पर बैठा लें, अब माफियावादी सरकार बनाने की उनकी मंशा पूरी नहीं होने वाली।उन्होंने कहा कि सपा अपने नारे को संशोधित कर लें क्योंकि यह वही सपा है। यह वही सपा है जो मुख्तार अंसारी के साथ है, यह वही सपा है जो आतंकवादियो की पैरवी करती थी, यह वही सपा है जिसके अपराधी पुलिस अधिकारियों को कार के बोनट पर घुमा कर बेइज्जत करते थे। ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव यादव की उस टिप्पणी का मखौल उड़ाया जिसमें उन्होंने कहा कि कहीं सरकार का बुलडोजर सपा की तरफ न मुड़ जाए। प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री ने कहा यह तो अच्छी बात है कि अखिलेश यादव बुलडोजर से डरते हैं लेकिन इस बार उन्हें जनता के बुलडोजर से डर लगना चाहिए जो उन्हें चुनाव में ध्वस्त करने के लिये तैयार है।अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले गरीबों को राशन बांटने का कार्यक्रम नवंबर तक था और अब इन्होंने मार्च तक कर दिया है। यह मार्च तक इसलिए किया गया, क्योंकि यह जानते हैं कि मार्च के बाद इनकी सरकार चली जाएगी। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री इसलिए बनाए गए थे कि उत्तर प्रदेश का विकास हो लेकिन साढ़े चार साल में उत्तर प्रदेश में भेदभाव, जाति और धर्म को देखकर काम हुआ। जिस तरह अंग्रेजों ने डिवाइड और रूल करके राज किया, उसी तरह आज भाजपा डरा कर और लोगों को मारकर राज करना चाहती है।

कैटरीना और विक्की के हनीमून को लेकर सामने आई ये बात

नई दिल्ली। बॉलीवुड की हसीन अभिनेत्री कैटरीना कैफ और अपनी एक्टिंग के लिए मशहूर एक्टर विक्की कौशल अब एक–दूसरे के हो गए हैं। बॉलीवुड की सबसे चर्चित

शादियों में शूमार इस कपल शादी तो हो गई, लेकिन अब बारी है हनीमून की। हालांकि, शादी हुए अभी एक दिन ही बिता है लेकिन इनके हनीमून को लेकर इनसे ज्यादा इनके फैंस को चिता हो रही है। शादी होते ही इनके हनीमून को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं चालू हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार विक्की और कैटरीना अपने हनीमून के लिए यूरोप जाने वाले हैं। यहीं नहीं खबरों की माने तो ये कपल हनीमून के दौरान यूरोप में एक या दो जगहों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे महाद्वीप में अपना हनीमून एंजॉय करेगा। हनीमून विशेषज्ञों का मानना है कि, ये कपल हर जगह थोड़ा–थोड़ा समय बिताएगा। हनीमून विशेषज्ञों ने तो इनके हनीमून को कम से कम २ महीने तक चलने के आसार भी जता दिए हैं। साथ ही कहा जा रहा है कि, ये जोड़ा हनीमून पर जाने से पहले अपने सभी पेंडिंग काम को पूरा कर के ही हनीमून के लिए प्रस्थान करेगा। ताकि, हनीमून के दौरान को रूकावट न आ जाए। खबरों की माने तो इस हनीमून का पूरा प्लान विक्की कौशल ने तैयार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विक्की कौशल और कैटरीना कैफ एक दूसरे को लगभग २ साल से डेट कर रहे थे। लेकिन इस जोड़े ने कभी भी अपने रिश्लेशनशिप को अ फिशियल उजागर नहीं किया और जब किया तो सीधा विवाह के मंडप में। शादी के बाद इनके फैंस दोनों के रिसेप्शन और हनीमून के बारे में जानने के लिए काफी लालायित हैं।

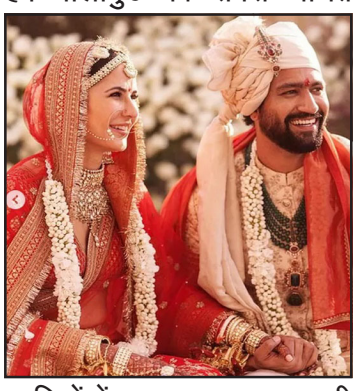

लेखपाल के सामने युवक को जूते से पीटा

लखनऊ। नटकुर ग्राम सभा की प्रधान सावित्री देवी के बेटे विनय ने गांव के ही एक युवक की जूते से पिटाई कर दी। पिटाई का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। खास बात यह है कि इस घटना के समय तहसील प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई है। नटकुर स्थित प्राचीन कुएं के तोड़ने और उसे पाटने को लेकर गांव के कुछ लोगों से प्रधान पुत्र पवन कुमार सिंह का विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले कुएं के तोड़े जाने को लेकर पवन कुमार सिंह ने गांव के ही विनोद कुमार उर्फ कट्टा के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई थी इस मामले की पड़ताल के लिए शुक्रवार को लेखपाल संतोष कुमार सिंह मौके पर गए थे। इसी दौरान पवन और उनके भाई विनय सिंह का गांव के ही बजरंगी सिंह, स्वर्ण पाल सिंहह व अन्य से कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि पवन ने विनोद कुमार को पकड़ लिया। इसके बाद उसके भाई विनय सिंह ने जूता उतारकर विनोद की पिटाई शुरू कर दी। किसी तरह बीचबचाव कर ग्रामीणों ने मामला शांत कराया। इस बीच वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने पिटाई का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया।विवाद के बाद विनोद कुमार थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। आरोप है कि काफी देर तक पुलिस उन्हें टरकाती रही। दबाव बढ़ने पर पुलिस ने पवन सिंह, अनुज, मानू, विनय और जितेंद्र के खिलाफ एफआइआर दर्ज की। उधर, प्रधान पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने विनोद कुमार उर्फ कट्टा, बजरंगी सिंह, विनोद, स्वर्णपाल, बिंदु, आदर्श और सूरज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

l t; ckt ib

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lq'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

cgjkbp

eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक